र्शनस्दी सं० डी० २२1



श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---क्षण्ड 3---उपलण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i) शांबकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

157]

नई विल्ली, रविवार, जुलाई 1, 1973/स्रायाङ 10, 1895

157]

NEW DELRI, SUNDAY, JULY 1, 1973/ASADHA 10, 1895

दिल्लान में रिम्झ पुष्ठ संक्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 1st July 1973
G.S.R 331(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of an 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and in supersession aptification of the Government of India in the Ministry of Finance (Departnt of Revenue and Insurance) No. 128/73-Central Excises, dated the 1st June, 3, the Central Government hereby fixes a tariff value of two hundred and verty rupees per quintal for sugar falling under sub-item (1) of Item No. 1 the First Schedule to the said Act and chargeable with duty ad valorem.

Frovided that nothing contained in this notification shall apply to sugar relied by the Central Government to be sold under clause (f) of sub-section (2) section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).

[No. 144/73]

S. R. NARAYANAN, Under Secy.

विस भैत्रालय

(गजस्व श्रौर बीमा विभाग)

म्रधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1973

साठ काठ निठ 331 (ग्र) — केन्द्रीय उत्पाद गुल्क श्रौर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (194, का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) की तारीख 1 जून, 1973 की ग्रिधिसूचना संख्या 128/73 केठ उठे शु को ग्रितिष्ठित करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम की प्रथम श्रनुसूची की मद संख्या 1 की उपमधं संख्या (1) के ग्रन्तर्गत श्राने वाली और मूल्यानुसार ग्रुल्क के प्रभाय चीनी के लिए दो सौ सत्तर ध्रए प्रति क्विन्टल मुल्य एतद्वारा नियत करती है।

परन्तु इस ग्रधिसूचना में श्रन्तिविष्ट कोई भी बात केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रावण्यक वस्तु श्रधिनियन 1955 (1955 का 10) की धारा 3 की उपघारा (2) के खण्ड (घ) के श्रधीन विकी की जाने के लिए ग्रपेक्षित चोनी पर लागू नहीं होगी।

[संख्या 144/73]

एस० मारक नारायणन, भवर सचिव ।

